वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 12 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से बुलंदियों पर पहुंचेगा इंजीनियरिंग संस्थान

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान को शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के नए शिखर पर ले जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। शनिवार शाम कुलपति सभागार में आयोजित इंजीनियरिंग संकाय के संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की समीक्षा बैठक में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने संस्थान के विकास का सकारात्मक खाका खींचा।

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके भव्य भवनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के समर्पण, विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार से होती है। उन्होंने शिक्षकों से 'मानवहित और राष्ट्रहित' को सर्वोपरि रखते हुए पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। बदलते तकनीकी परिदृश्य का हवाला देते हुए कुलपति ने एआई, साइबर सुरक्षा व आधुनिक विषयों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम को अपडेट करने के निर्देश दिए। इसके लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव के सुझाव मांगे गए हैं। शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए टाइम-टेबल के पुनरीक्षण, नियमित कक्षाओं, शोध और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष जोर दिया गया। छात्रों में अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए उन्हें पुस्तकालय से जोड़ने और उपलब्ध संसाधनों का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। छात्रों की रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया।

स्वतंत्र एकता जागरण

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग बैठकर किया भोजन

चरक हास्टल का औचक निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता पर जोर

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की।निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है। यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

अमर उजाला

ई-क्राइम पर मूट कोर्ट से विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

साइबर कानून, डिजिटल फॉरेंसिक को विधि शिक्षा में शामिल करने पर मंथन

मल्हनी। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से विधि के विद्यार्थियों को डिजिटल अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई, कानूनी प्रक्रियाओं और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।

शनिवार की शाम विश्वविद्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधि शिक्षा को तकनीक आधारित और रोजगारपरक बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

बैठक में कुलपति ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह और साइबर लॉ विशेषज्ञ डॉ. निसीथ दीक्षित ने पारंपरिक विधि पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीक और डिजिटल टूल को शामिल करने के सुझाव दिए। बैठक में भविष्य की जरूरतों को देखते हुए साइबर लॉ, डिजिटल फॉरेंसिक और कानून के नए तकनीकी पहलुओं पर आधारित सर्टिफिकेट कोर्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने पर विचार किया गया।

विश्वविद्यालय में आधुनिक शोध को बढ़ावा देने के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि बैठक में मिले सुझावों को अमल में लाने के लिए जल्द ही विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक में साइबर लॉ विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर सहित विधि विभाग के शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में प्रो. विनोद कुमार ने अतिथियों के प्रति आभार जताया।

अमर उजाला

अमर उजाला जौनपुर युवा Youth
amarujala.com
वाराणसी | सोमवार, 12 अक्तूबर 2026
5

एआई और साइबर सुरक्षा के अनुरूप अपडेट करें इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ बैठक में शिक्षण गुणवत्ता, शोध और कौशल विकास पर जोर

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय के शिक्षकों से आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित करने और उन्हें रोजगारपरक कौशल से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में सोमवार को शाम को इंजीनियरिंग संस्थान के संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ बैठक में उन्होंने तैकनिक गुणवत्ता, पाठ्यक्रम में बदलाव, शोध, प्रोजेक्ट कर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास पर चर्चा की। कुलपति ने कहा कि शिक्षकों की प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से ही संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने को कहा। साथ ही समय-सारिणी की समीक्षा, नियमित कक्षाओं के संचालन, शोध कार्यों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और शिक्षकों को छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।



शिक्षण गुणवत्ता पर चर्चा करते कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह। पीटीआई

कुलपति ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट वर्क की सराहना करते हुए उनकी रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। कहा कि विद्यार्थियों के अच्छे विचारों और सकारात्मक पहलों को प्रोत्साहित करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों में नियमित अभ्यास की आदत विकसित करने के लिए उन्हें पुस्तकालय से जोड़ने और विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि मानवहित-राष्ट्रहित की भावना के साथ सभी शिक्षकों को मिलकर काम करना चाहिए।

तैराकों ने जीते 9 स्वर्ण पदक और चैंपियनशिप

वाराणसी। राज्य स्तरीय शॉर्ट कोर्स सीनियर तैराकी प्रतियोगिता के अंतिम दिन वाराणसी के तैराकों ने कुल 9 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल विजेता ट्रॉफी हासिल की।

कोच सत्यम शर्मा के मार्गदर्शन में काशी के तैराकों ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन अनुराग आर सिंह ने 1500 और 200 मीटर फ्री स्टाइल में दो स्वर्ण पदक जीते। गायत्री ने 1500 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण, 100 मीटर बटरफ्लाई में रजत और 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीते। सत्यम साहनी ने 200 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक जीता।

अंगद विश्वकर्मा ने 50 और 100 मीटर बटरफ्लाई में दो रजत पदक जीते। कार्तिक साहनी ने 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में कांस्य और रिया पटेल ने 200 मीटर फ्री स्टाइल में कांस्य पदक जीता। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी नवीन कुमार सिंह और जिला तैराकी संघ के सचिव शंभू प्रसाद ने विजेताओं को बधाई दी। संवाद

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों के साथ भोजन कर परखी गुणवत्ता

छात्र हॉस्टल का किया औचक निरीक्षण भोजन की गुणवत्ता पर दिया जोर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को छात्र छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन कर गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था परखी।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है। यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचार बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डन प्रो. अविनाश चक्रवर्ती, प्रो. राजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित शिक्षक उपस्थित रहे। संवाद


डॉ परितोष मिश्रा
DHANWANTRI PHARMACEUTICALS

हिंदुस्तान

वीसी ने हॉस्टल में विद्यार्थियों संग किया भोजन



जौनपुर। पीयू कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया और मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छात्रों संग भोजन भी किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने और विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने का निर्देश दिया। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश रहे।

हिंदुस्तान

इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं शिक्षक

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार की शाम इंजीनियरिंग संस्थान के सभी संविदा और अतिथि प्रवक्ताओं की बैठक की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तथा मानवहित और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, कठिन परिश्रम और छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने बदलते तकनीकी परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम बनाना जरूरी है।

पब्लिक की लहर

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग बैठकर किया भोजन

चरक हास्टल का औचक निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता पर जोर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ–सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।कुलपति ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है। यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।



कौटिल्य का भारत

इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं: कुलपति

- आधुनिक तकनीक, एआई और साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखकर करें पाठ्यक्रम अपडेट
- कुलपति ने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ की बैठक

कौटिल्य का भारत



जौनपुर किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति केवल उसके भवनों और संसाधनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार के प्रति उनकी दृष्टि से तय होती है। इसी सोच के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तथा 'मानवहित-राष्ट्रहित' को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार की शाम आयोजित की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, कठिन परिश्रम और छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान के विकास के लिए प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए और सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करना चाहिए। उन्होंने बदलते तकनीकी परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम को अद्यतन करना आवश्यक है। शिक्षकों को आसपास के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने चाहिए। साथ ही टाइम-टेबल को पुनरीक्षित कर नियमित कक्षाओं, शोध कार्यों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कुलपति ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट वर्क की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रबंधन के विद्यार्थियों की सकारात्मक सोच की भी प्रशंसा की और कहा कि अच्छे विचारों तथा रचनात्मक पहल करने वाले विद्यार्थियों की सराहना अवश्य की जानी चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और नई संभावनाओं के द्वार खुलते हैं। उन्होंने युवा शिक्षकों से अपनी क्षमताओं को पहचानने, नई ऊर्जा के साथ कार्य करने और संस्थान के विकास में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए उन्हें पुस्तकालय से जोड़ने, कौशल विकास पर जोर देने तथा विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक के समापन पर कुलपति ने कहा कि संस्थान की प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। सभी शिक्षकों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों की कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद वे पूरी लगन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने, नेतृत्व करने और विश्वविद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। बैठक में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

ई-क्राइम पर मूट कोर्ट से विद्यार्थियों को मिलेगी चुनौती से निपटने की सीख

टेक्नोलॉजी आधारित नए दौर के लिए विधि शिक्षा को तराशने के लिए कुलपति ने किया मंथन

कौटिल्य का भारत



जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में वर्तमान समय के बदलते परिवेश एवं विधि शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के सभी सम्मानित प्राध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने बैठक के दौरान बदलते दौर में इंटरनेट व डिजिटल अपराधों (E-Crime) की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट (Moot Court) के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक व व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश दिया। तकनीक का समावेश और नए पाठ्यक्रमों का सुझाव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. निसीथ दीक्षित इस मंथन में जुड़े। उन्होंने पारंपरिक पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीकों और डिजिटल टूल को शामिल करने का सुझाव दिया। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए साइबर लॉ, डिजिटल फॉरेंसिक और नए कानूनी पहलुओं पर आधारित नए सर्टिफिकेट कोर्स एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के सुझाव दिए गए। विश्वविद्यालय में शोध और आधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' स्थापित करने पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। दत्तोपंत ठेंगड़ी लॉ इंस्टीट्यूट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने कहा कि वर्तमान पाठ्यक्रम में भविष्य की संभावनाओं को तराशने एवं बैठक में मिले सुझावों को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. अनूप गिरधर तथा विधि विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

जलसंदेश टाइम्स



बच्चों संग भोजन करते कुलपति

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग किया भोजन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

जलसंदेश टाइम्स

ई-क्राइम पर मूट कोर्ट से विद्यार्थियों को मिलेगी चुनौती से निपटने की सीख

कार्यक्रम

टेक्नोलॉजी आधारित नए दौर के लिए विधि शिक्षा को तराशने के लिए कुलपति ने किया मंथन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि में शनिवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में वर्तमान समय के बदलते परिवेश एवं विधि शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के सभी सम्मानित प्राध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने बैठक के दौरान बदलते दौर में इंटरनेट व डिजिटल अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही



वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में प्राध्यापकों के साथ कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह।

उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक व व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. निसीथ दीक्षित इस मंथन में जुड़े। उन्होंने पारंपरिक पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीकों और डिजिटल टूल को शामिल करने का सुझाव दिया। दत्तोपंत ठेंगड़ी लॉ इंस्टीट्यूट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने कहा कि वर्तमान पाठ्यक्रम में भविष्य की संभावनाओं को तराशने एवं बैठक में मिले सुझावों को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही एक कार्ययोजना तैयार की जाएगी। अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. अनूप गिरधर तथा विधि विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं

जौनपुर। किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति केवल उसके भवनों और संसाधनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार के प्रति उनकी दृष्टि से तय होती है। इसी सोच के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तथा मानवहित-राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। विवि के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की एक बैठक शनिवार की शाम आयोजित की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकी करण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उत्तर शक्ति

ई-क्राइम पर मूट कोर्ट से विद्यार्थियों को मिलेगी चुनौती से निपटने की सीख

टेक्नोलॉजी आधारित नए दौर के लिए विधि शिक्षा को तराशने के लिए कुलपति ने किया मंथन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में वर्तमान समय के बदलते परिवेश एवं विधि शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के सभी सम्मानित प्राध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. आरके सिंह ने बैठक के दौरान बदलते दौर में इंटरनेट व डिजिटल अपराधों (ए-Crime) की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट (Moot Court) के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक व व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश दिया।

तकनीक का समावेश और नए पाठ्यक्रमों का सुझावः वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. निसीथ दीक्षित इस मंथन में जुड़े। उन्होंने पारंपरिक पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीकों और डिजिटल टूल को शामिल करने का सुझाव दिया। भविष्य की



आवश्यकताओं को देखते हुए साइबर लॉ, डिजिटल फॉरेंसिक और नए कानूनी पहलुओं पर आधारित नए सर्टिफिकेट कोर्स एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के सुझाव दिए गए।

विश्वविद्यालय में शोध और आधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' स्थापित करने पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया।

दत्तोपंत ठेंगड़ी लॉ इंस्टीट्यूट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने कहा कि वर्तमान पाठ्यक्रम में भविष्य की संभावनाओं को तराशने एवं बैठक में मिले सुझावों को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. अनूप गिरधर तथा विधि विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

उत्तर शक्ति

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग बैठकर किया भोजन

चरक हास्टल का औचक निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता पर जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की।



निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है। यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं: कुलपति

आधुनिक तकनीक, एआई और साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखकर करें पाठ्यक्रम अपडेट



कुलपति ने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ की बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति केवल उसके भवनों और संसाधनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार के प्रति उनकी दृष्टि से तय होती है। इसी सोच के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तथा 'मानवहित-राष्ट्रहित' को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार की शाम आयोजित की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई।

कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, कठिन परिश्रम और छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान के विकास के लिए प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए और सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करना चाहिए।

उन्होंने बदलते तकनीकी परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम को अद्यतन करना आवश्यक है। शिक्षकों को आसपास के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने चाहिए। साथ ही टाइम-टेबल को पुनरीक्षित कर नियमित कक्षाओं, शोध कार्यों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कुलपति ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट वर्क की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रबंधन के विद्यार्थियों की सकारात्मक सोच की भी प्रशंसा की और कहा कि अच्छे विचारों तथा रचनात्मक पहल करने वाले विद्यार्थियों की सराहना अवश्य की जानी चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और नई संभावनाओं के द्वार खुलते हैं।

उन्होंने युवा शिक्षकों से अपनी क्षमताओं को पहचानने, नई ऊर्जा के साथ कार्य करने और संस्थान के विकास में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए उन्हें पुस्तकालय से जोड़ने, कौशल विकास पर जोर देने तथा विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक के समापन पर कुलपति ने कहा कि संस्थान की प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। सभी शिक्षकों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों की कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद वे पूरी लगन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने, नेतृत्व करने और विश्वविद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। बैठक में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

अमर भारती

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग बैठकर किया भोजन

चरक हास्टल का औचक निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता पर जोर

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है।

यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली।

निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

अमन कि शान

अमन की शान हिन्दी दैनिक

जौनपुर

आधुनिक तकनीक, एआई और साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखकर करें पाठ्यक्रम अपडेट

इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं: कुलपति

कुलपति ने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ की बैठक

अमन की शान



जौनपुर। किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति केवल उसके भवनों और संसाधनों से नहीं, बल्कि शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार के प्रति उनकी दृष्टि से तय होती है। इसी सोच के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तथा 'मानवहित-राष्ट्रहित' को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार की शाम आयोजित की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, कठिन परिश्रम और छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान के विकास के लिए प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए और सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करना चाहिए। उन्होंने बदलते तकनीकी परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम को अद्यतन करना आवश्यक है। शिक्षकों को आसपास के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने चाहिए। साथ ही टाइम-टेबल को पुनरीक्षित कर नियमित कक्षाओं, शोध कार्यों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कुलपति ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट वर्क की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रबंधन के विद्यार्थियों की सकारात्मक सोच की भी प्रशंसा की और कहा कि अच्छे विचारों तथा रचनात्मक पहल करने वाले विद्यार्थियों की सराहना अवश्य की जानी चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और नई संभावनाओं के द्वार खुलते हैं। उन्होंने युवा शिक्षकों से अपनी क्षमताओं को पहचानने, नई ऊर्जा के साथ कार्य करने और संस्थान के विकास में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए उन्हें पुस्तकालय से जोड़ने, कौशल विकास पर जोर देने तथा विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक के समापन पर कुलपति ने कहा कि संस्थान की प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। सभी शिक्षकों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों की कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद वे पूरी लगन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने, नेतृत्व करने और विश्वविद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। बैठक में इंजीनियरिंग संस्थान के समस्त संविदा एवं अतिथि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

लोक भारती

पूर्वांचल विवि में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण पर जोर

- एआई और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर
- नियमित कक्षाओं, शोध और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान
- कुलपति ने शिक्षकों से जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की

लोकभारती न्यूज ब्यूरो



जौनपुर। पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग संस्थान के संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई।

कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, कठिन परिश्रम और छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान के विकास के लिए प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए और सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करना चाहिए।उन्होंने बदलते तकनीकी परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम को अद्यतन करना आवश्यक है।

शिक्षकों को आसपास के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने चाहिए। साथ ही टाइम-टेबल को पुनरीक्षित कर नियमित कक्षाओं, शोध कार्यों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।बैठक के समापन पर कुलपति ने कहा कि संस्थान की प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

सभी शिक्षकों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों की कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद वे पूरी लगन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने, नेतृत्व करने और विश्वविद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की।

लोक भारती

विधि शिक्षा को तराशने के लिए कुलपति ने किया मंथन

- ई-क्राइम मूट कोर्ट के आयोजन पर कुलपति ने दिए निर्देश
- साइबर लॉ और डिजिटल फॉरेंसिक के नए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने पर जोर
- जिला, अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं कराने की तैयारी
- विधि छात्रों को डिजिटल अपराधों से निपटने का मिलेगा

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में वर्तमान समय के बदलते परिवेश एवं विधि शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के सभी सम्मानित प्राध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. आरके सिंह ने बैठक के दौरान बदलते दौर में इंटरनेट व डिजिटल अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट (डववज ब्वनतज) के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की।

इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक व व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश दिया।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. निसीथ दीक्षित इस मंथन में जुड़े। उन्होंने पारंपरिक पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीकों और डिजिटल टूल को शामिल करने का सुझाव दिया।

भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए साइबर लॉ, डिजिटल फॉरेंसिक और नए कानूनी पहलुओं पर आधारित नए सर्टिफिकेट कोर्स एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के सुझाव दिए गए। इस अवसर पर साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. अनूप गिरधर तथा विधि विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

द आइडियल इंडिया

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग बैठकर किया भोजन

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन, जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान



कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है। यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

द आइडियल इंडिया

ई-क्राइम पर मूट कोर्ट से विद्यार्थियों को मिलेगी चुनौती से निपटने की सीख

टेक्नोलॉजी आधारित नए दौर के लिए विधि शिक्षा को तराशने के लिए कुलपति ने किया मंथन

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में वर्तमान समय के बदलते परिवेश एवं विधि शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के सभी सम्मानित प्राध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आरके



सिंह ने बैठक के दौरान बदलते दौर में इंटरनेट व डिजिटल अपराधों (ए-उ४ी) की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट (टङ्क्रङ्क३ उङ्क४१३) के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक व व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश दिया। तकनीक का समावेश और नए पाठ्यक्रमों का सुझाव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. निसीथ दीक्षित इस मंथन में जुड़े। उन्होंने पारंपरिक पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीकों और डिजिटल टूल को शामिल करने का सुझाव दिया। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए साइबर लॉ, डिजिटल फॉरेंसिक और नए कानूनी पहलुओं पर आधारित नए सर्टिफिकेट कोर्स एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के सुझाव दिए गए। विश्वविद्यालय में शोध और आधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' स्थापित करने पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। दत्तोपंत ठेंगड़ी लॉ इंस्टीट्यूट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने कहा कि वर्तमान पाठ्यक्रम में भविष्य की संभावनाओं को तराशने एवं बैठक में मिले सुझावों को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. अनूप गिरधर तथा विधि विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

जौनपुर धारा

कुलपति ने छात्रावास में विद्यार्थियों के साथ किया भोजन

चरक हॉस्टल का औचक निरीक्षण कर परखी मेस की व्यवस्था

जौनपुर धारा,जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ विद्यार्थियों के बीच बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता और मेस की व्यवस्था पर संतुष्टि जताई। कुलपति ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और छात्रावास परिसर की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने और विद्यार्थियों की



समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

ई-क्राइम पर मूट कोर्ट से विद्यार्थियों को मिलेगी व्यावहारिक प्रशिक्षण की सीख

विधि शिक्षा में साइबर लॉ और डिजिटल फॉरेंसिक को शामिल करने पर मंथन, सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनाने का प्रस्ताव

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विधि शिक्षा को तकनीक आधारित बनाने और डिजिटल अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए शनिवार को मंथन बैठक आयोजित की गई। कुलपति प्रो.आरके सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के शिक्षकों और विशेषज्ञों ने आधुनिक कानूनी शिक्षा पर विचार साझा किए।

कुलपति ने ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट आयोजित करने तथा विद्यार्थियों को जिला, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।



इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल अपराधों से जुड़े कानूनी मामलों का व्यावहारिक अनुभव देना है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह और साइबर लॉ विशेषज्ञ डॉ. निसीथ दीक्षित ने पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीक, डिजिटल टूल, साइबर लॉ और डिजिटल फॉरेंसिक को शामिल करने के सुझाव दिए। शोध को बढ़ावा देने के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। विधि संस्थान के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने सुझावों को लागू करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। बैठक में साइबर लॉ विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर सहित विभाग के शिक्षक मौजूद रहे।

एआई और साइबर सुरक्षा के अनुरूप अपडेट करें इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम : कुलपति

● संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ बैठक में शिक्षण गुणवत्ता, शोध और कौशल विकास पर जोर



जौनपुर धारा,जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने इंजीनियरिंग संकाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। शनिवार शाम कुलपति सभागार में इंजीनियरिंग संस्थान के संविदा एवं अतिथि शिक्षकों के साथ हुई बैठक में उन्होंने आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन करने पर जोर दिया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार पर निर्भर करती है। उन्होंने शिक्षकों को अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने तथा नियमित कक्षाओं, शोध और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट वर्क और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें पुस्तकालय से जोड़ने तथा कौशल विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। कुलपति ने कहा कि संस्थान का विकास सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। शिक्षकों को छात्रहित को प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। बैठक में इंजीनियरिंग संस्थान के संविदा एवं अतिथि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

अवध की जंग

कुलपति ने हॉस्टल में बच्चों संग बैठकर किया भोजन

- चरक हास्टल का औचक निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता पर जोर

अवध की जंग ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने रविवार को चरक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेस की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया। विद्यार्थियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की व्यवस्था के प्रति संतुष्टि व्यक्त की।निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मेस में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।कुलपति ने कहा कि छात्रावास विद्यार्थियों के लिए घर



जैसा वातावरण प्रदान करने वाला स्थान है। यहां पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं का विशेष महत्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, मुख्य वार्डेन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

दैनिक मान्यवर

विधि शिक्षा को तराशने के लिए कुलपति ने किया मंथन

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में वर्तमान समय के बदलते परिवेश एवं विधि शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि विभाग के सभी सम्मानित प्राध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने बैठक के दौरान बदलते दौर में इंटरनेट व डिजिटल अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने हेतु ई-क्राइम पर आधारित मूट कोर्ट (डववज ब्वनतज) के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक व व्यावहारिक विकास के लिए जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक सिंह तथा साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. निसीथ दीक्षित इस मंथन में जुड़े। उन्होंने पारंपरिक पाठ्यक्रम में आधुनिक तकनीकों और डिजिटल टूल को शामिल करने का सुझाव दिया। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए साइबर लॉ, डिजिटल फॉरेंसिक और नए कानूनी पहलुओं पर आधारित नए सर्टिफिकेट कोर्स एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के सुझाव दिए गए। इस अवसर पर साइबर लॉ एक्सपर्ट डॉ. अनूप गिरधर तथा विधि विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का निर्देश

दैनिक मान्यवर

साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखकर करें पाठ्यक्रम अपडेट



जौनपुर/दैनिक मान्यवर। पूर्वान्चल विश्व विद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग संस्थान के संविदा एवं अतिथि प्रवक्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम के आधुनिकी करण, शोध, प्रोजेक्ट वर्क और विद्यार्थियों के कौशल विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई।कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग संकाय में अपार संभावनाएं हैं और यह संकाय विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा, कठिन परिश्रम और छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान के विकास के लिए प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए और सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करना चाहिए।उन्होंने बदलते तकनीकी परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम को अद्यतन करना आवश्यक है। शिक्षकों को आसपास के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर उपयोगी बदलाव सुझाने चाहिए। साथ ही टाइम-टेबल को पुनरीक्षित कर नियमित कक्षाओं, शोध कार्यों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।बैठक के समापन पर कुलपति ने कहा कि संस्थान की प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। सभी शिक्षकों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संविदा एवं अतिथि शिक्षकों की कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद वे पूरी लगन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने, नेतृत्व करने और विश्वविद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की।

रेलवे ट्रैक के पास मिला महिला का शव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ककोर गहना गांव में रेलवे गेट नंबर-44 के पास ट्रेन से गिरने की सूचना के बाद एक महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलने पर रेलवे कर्मियों ने महिला के शव को कब्जे में लेकर जौनपुर जंक्शन पहुंचाया। घटना के बाद महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल महिला की पहचान और हादसे के कारणों के संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।